मेनू याद बिहारी जी दी आवे

मेनू याद बिहारी जी दी आवे बांका नित मेरे सुफने च आवे
मैं नित वृंदावन घूम दी फिरा राती जदों मेरी अख लग जावे,

ओहदे प्रेम जाल विच एसी फस गई कम कार मेनू भूले संसार दे,
रोक टोक मेनू चंगी नही लगदी घर बार वाले ताने मेनू मार दे,
आंदे जांदेया नु पुछदी फिरा कदों बांके बिहारी बुलावे ,
नि मैं वृंदावन घूम दी फिरा राती जदों मेरी अख लग जावे,

सेवा कुञ्ज निधि वन यमुना दे मेनू औंदे न याद नजारे,
कना विच मुरली दी धुन गूंजदी ओहदे रूप तो जावा बलिहारे,
ओहदे सागरे बजार कुञ्ज गलियां लस्सी पड़ेया दी याद बड़ी आवे,
नि मैं वृंदावन घूम दी फिरा राती जदों मेरी अख लग जावे,

ओहदे मिलने नु जी बड़ा करदा दिन राती ओहदी याद बड़ी सतावे
हॉवे नजर सवाली ये मधुप ते मेरा सुपना साकार हो जावे,
मूक जान पवाडे सारे जग दे बिर्ज वास जे मेनू मिल जावे,
नि मैं वृंदावन घूम दी फिरा राती जदों मेरी अख लग जावे,

Source: https://www.bharattemples.com/mainu-yaad-bihari-ji-di-aawe/

Complete Bhajans Collections - Download Free Android App
https://play.google.com/store/apps/details?id=com.numetive.bhajans

Facebook: https://www.facebook.com/bharattemples/
Telegram: https://t.me/bharattemples
Youtube: https://www.youtube.com/channel/UC24oJCxZJyhhKzSUD-Lt9Tw